RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 15 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 18 सितम्बर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

मल्ला जोहार विकास समिति ने फिर उठाई आवाज

सरकार! माइग्रेशन परिवार के लोग सीमा प्रहरी हैं, इनकी सुनो

कार्यालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। भारत-तिब्बत-चीन सीमा पर माइग्रेशन (उत्तक्रमण) काल में 6 महीने जब लोग अपने घर जाते हैं तो कितनी सारी समस्याओं का सामना करते हैं, इन्हीं समस्याओं को लेकर मल्ला जोहार विकास समिति ने मुख्यमंत्री को एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। समिति का कहना है कि माइग्रेशन परिवार के लोग सीमा प्रहरी हैं, इनको सुविधएं मिलनी चाहिये।

बताया है कि 6 महीने अपने पैतृक गाँव में खण्डहर हो रहे मकानों की मरम्मत करने, साथ ही अपनी भूमि को सिंचित करते है। जिससे विशेष करके सरसों, जिम्बू, काला जीरा, आलू, शाक भाजी, जड़ीबूटी की खेती करते हैं। माइग्रेशन अवधि के दौरान विषम भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करते हैं। जैसे- पेयजल, सिंचाई, दूरसंचार, लाइट, स्वास्थ्य, पैदल सड़क, पुलों की व्यवस्था सम्बन्धित विभागों के द्वारा समय पूर्व दुरस्त न करना अनेक समस्याओं का सामना करते हैं। खाद्यान्न सामग्रियों की कमी जैसे- तेल, चीनी, नमक, प्याज, टमाटर, मसाले अत्यधिक कीमतों पर खरीदनी पड़ती हैं। चावल, गेहूं का कोटा भी निम्न स्तर पर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। जिसकी पूर्ति भरण-पोषण करने हेतु मुनस्यारी से खरीद कर घोड़े-खच्चरों के माध्यम से अत्यधिक ढुलान-व्यय के उपरान्त उच्च हिमालयी गाँवों में ले जाते हैं। माइग्रेशन परिवार के लोग एक सीमा प्रहरी के तौर पर अपनी सीमाओं के रक्षक भी हैं। वर्तमान समय पर मोटर सड़क निर्माण का कार्य मिलम से बीआरओ, 83 आर. सी.सी. अस्कोट डिवीजन जिनका मुख्यालय दरकोट, मुनस्यारी में स्थापित है, पिछले कई वर्षों सन् 2008 से कार्य करते आ रहे हैं। धापा, मिलम, बोगडियार तक वर्तमान समय पर एबीसी राठी कम्पनी के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। मोटर मार्ग का कार्य प्रारम्भ होने के कारण पैदल सड़क जो पीडब्लुडी विभाग डीडीहाट-मुनस्यारी के अन्तर्गत आती है पूरी तरह अनेक जगहों पर मलबा फैंकने से बर्षात के समय भारी मात्रा में बोल्डर स्लाइडिंग होने के कारण पैदल सड़क आम जनता, लद्दू जानवरों, भेड़ पालकों के आवागमन में प्रतिवर्ष असुविधाएं आती हैं एवं अनेकों परिवारों का घोड़ा-खच्चर, भेड़ बकरियां मय सामान के क्षतिग्रस्त, दुर्घटनाएं

शेष अन्तिम पृष्ठ पर

उत्तराखण्ड में दकरते पहाड़ : अनियोजित किवास से आ रही आपदा

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

आपदा के लिए शहर का अनियोजित विकास भी प्रमुख कारण है। राज्य के समुचित विकास के लिए मास्टर प्लान का न होना या इसका ठीक से क्रियान्वयन न होना विपदा को जन्म देता है। उत्तराखण्ड निर्माण के 23 साल पूरे होने वाले हैं लेकिन राज्य की दिशा और दशा सही मायने में अब तक तय नहीं हो पाई है। आलम यह है कि आज भी राज्य के कई क्षेत्रों में सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान है ही नहीं। जहाँ है भी तो वह अप्रासंगिक हो चुका है। इसमें बदलाव की जरूरत है। इस वक्त नैनीताल, पिथौरागढ़, बामेवर सहित सिर्फ 18 नगरों में ही मास्टर प्लान लागू है। राज्य के समुचित विकास, मॉडल प्रदेश, पर्यटन प्रदेश, ऊर्जा प्रदेश, शिक्षा हब और जड़ी बूटी प्रदेश बनाने के दावे हर सरकार करती है लेकिन इसे परवान चढ़ाने की ईमानदार कोशिश नहीं हो पाई है। मास्टर प्लान लागू न होने और भवन निर्माण के नियमों में कई विसंगतियां होने से पूरे

शेष पृष्ठ 2 पर

जोहार के 'गर्खा' शब्द की वास्तविकता

जगदीश सिंह बृजवाल

जोहार में रहने वाले सभी लोगों को जोहारी तथा जोहारियो के अनुसार अपनी बोल-चाल में 'ज्वारक गार्ख' (जोहार के शौका, एक समुदाय विशेष) कहते हैं। जो जोहार के बारह गाँव -मिलम, पाछू, बिल्जू, मापा, गनघर, बूर्फू टोला, ल्वां, सुमदू, रिलकोट, खिलांच, लाहस्पा जो जोहारियो का गाँव है। तिब्बत पर चीन के आधिपत्य के बाद व्यापार बन्द होने के उपरांत जोहार बीरान हों गया है अधिकांश मकान खण्डहरों में तब्दील होते गये, आज नाम मात्र के लोग इन गाँवों में थोड़ी बहुत रोजी-रोटी के लिए प्रवास में चले जाते है छिटपुट बसासत आज भी इन जोहार के गाँवों में हैं।

गर्खा शब्द के विषय में लोगों की धारणाएं जातिबोधक व आदरसूचक शब्द से है। जो अनुश्रुति चला आता रहा है किन्तु गर्खा शब्द कालान्तर में ही जाति विशेष से जुड़ गया होगा।

वास्तव में चन्द शासनकाल का प्रशासनिक नाम 12 गर्खा व्यवस्था शब्द से सम्बन्धित है जो 12 गर्खो में बंटा रहता था। जिसका प्रधान नेगी कहलाता था, जो जाति से सम्बन्धित न होकर पद होता था। जिसके अन्तर्गत कयी प्रशासनिक पद बूढ़ा, सयाना, थोकदार, कमीन, प्रधान आदि पद सर्जित थे। सर्वोच्च न्यायाधीश राजा ही होता था। 'शुली का डाणा' पर अपराधियों को फांसी की सजा दी जाती थी, चारथान की व्यवस्था थी जो सब गर्खा के अन्तर्गत व्यवस्थाएं थी।

थोकदार, कमीन की सभा समय-समय पर होती रहती थी, जो राजस्व संग्रहण का कार्य करते थे। जोहार क्षेत्र में भी चन्द शासन का अधिपत्य रहा था 1670 में बाजबहादुर चन्द जोहार के रास्ते ही मानसरोवर यात्रा में गये थे। जिसमें जोहारियो द्वारा अगुवाई की गई रुद्रचन्द द्वारा दो समुदायों के बीच सुलह-कुल की नीति स्थापित कर शान्ति व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। पंनज्वारीयों के साथ यहीं से आधुनिक जोहारियों का रक्त सम्बन्ध स्थापित होता गया। चन्द शासन काल में वाणिज्यिक क्षेत्र में जोहारीयो का प्रभाव अवश्य रहा है, सीराकोट विजय में डोटी शासन को रसद आपूर्ति जोहार से रोका गया। रुद्रचन्द के सिराटकोट विजय से सिद्ध होता है।

जोहार में भी निश्चित 12 गर्खा शब्द अवश्य चन्द प्रशासनिक व्यवस्था का नाम रहा होगा, जिससे कालांतर में लोगों ने गर्खा शब्द को जाति से जोड़ दिया हो. जबकि जोहार के निवासी- रावत, पांगती, धर्मशक्तु, सयाना, निखुर्पा, नित्वाल, टोलिया, बृजवाल, जंगपांगी, पंचपाल, गनघरिया, क्वीरीयाल, ल्वांल, मर्तोलिया, रिलकोटिया, मपवाल, सुमत्याल, धपवाल, लसपाल ,पिंडरियाल, रहलम्वाल जो पंनज्वारी जोहारी कहलाते तथा रालम के रहने वाले सभी जोहार परगना के वासिन्दे ही कहलाते हैं।

चन्दअभिलेखों के अनुसार अलग-अलग क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्था जैसे- नगौर का गर्खा, रंगौर का गर्खा, लखनपुर का गर्खा जोहार का गर्खा क्षेत्र के नाम से प्रशासनिक व्यवस्था होती थी।

जोहार में भी चन्द शासन का गर्खा व्यवस्था भी रहा होगा। बाद में जातिबोधक शब्द में तब्दील हो गया होगा किन्तु जाति शब्द का गर्खा से किसी प्रकार का सम्बन्ध दिखाई नहीं देती है।

जोहार घाटी में गर्खा की धारणाएं सिमित जातिसूचक की है जबकि गर्खा शब्द का विश्लेषण करने तथा अन्य सन्दर्भित स्रोत अध्ययन से मन में जो भी संसय, धारणाएं है उसके सही तथ्य वास्तव मे सम्मुख नजर आता है गर्खा शब्द जातिसूचक न होकर प्रशासनिक व्यवस्था से सम्बन्धित शब्द है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

छलकपट : हिमालय दिवस पर सुरक्षा के संकल्प

इस बार फिर से हिमालय दिवस पर सुरक्षा के संकल्प दोहराये गये। सब जानते हैं कि हिमालय की चुनौतियां बरकरार हैं और विज्ञापन प्रचार ज्यादा हो रहा है। इस बार फिर से हिमालय बचाओ का संकल्प फोटो-समाचारों में खूब दिखाई दिया है। जगह-जगह स्कूलों, संस्थाओं, संस्थानों में हिमालय बचाओ का आडम्बर क्या दे जाएगा? यह सब हिमालय के साथ छलकपट ही तो है।

यदि हिमालय के प्रति हम सम्वेदनशील हैं तो हमें प्रकृति के नियमों का पालन करना होगा। विकास जरूरी है लेकिन जिस बेरहमी से हिमालय को अपने लालच के लिये रौंदा गया है उसका परिणाम आपदा के रूप में दिखाई दे रहा है। इसलिये जरूरी है कि हिमालय की सुरक्षा के लिये सामूहिक सहभागिता हो। यह जिम्मेदारी सबकी है, यह किसी का ठेका नहीं हो सकता है। अपने गाँव को संवारने वाले जानते हैं कि उनके पनघट और वनघट कैसे सुरक्षित रहें। लोक का जीवन प्रकृति का पूजक रहा है। इसका संकल्प अपने आप से होता है। जबकि दिखावे के जंजाल में फंसे शहर हिमालय की सम्वेदन शीलता नहीं समझ पा रहे हैं। दौड़भाग गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा में लोगों के पास सिर्फ इतना भर समय रह गया है कि वह गोष्ठी कर लें, चार-सात लाइनों की शपथ पढ़ लें। इस सच्चाई को सबने समझ लेना चाहिये। क्योंकि मीडिया में यही सब दिखाई-सुनाई दे रहा है कि हिमालय को बचाने के लिये सबने संकल्प ले लिया, सब जागरुक हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हिमालय को जीतने के लिये होड़ मची है, पर्यावरण बचाने के नाम पर भी कहानियां बनाई जा रही हैं, हिमालय के गाँव खाली हो चुके हैं और उजड्ड पर्यटकों की भीड़ कूड़ा-करकट कर रही है, जैव विविधता के भण्डार को रौंदा जा रहा है, जागरूकता के नाम पर रेवड़ी बांटी जा रही हैं, इसकी सुरक्षा के नाम पर पुरस्कार बांटे जा रहे हैं। जबकि इसके पारिस्थितिकी तन्त्र की सुरक्षा के लिये सख्त नियम होने चाहियें। डण्डे के बल पर मानने वाले विचार गोष्ठी भर से नहीं मानने वाले हैं।

वित्तीय अनियमितताएं

उत्तराखण्ड के २१ सरकारी विभागों में एक साल में २२७ करोड़ ६६ लाख रुपये की वित्तीय अनियमितताएं बतायी जा रही हैं। इसके अलावा नौ संस्थाओं में १२०.९९ करोड़ की गड़बड़ी पकड़ में आई है। सदन पटल पर रखी गई वित्तीय वर्ष २०१७-१८ की ऑडिट रिपोर्ट में यह बात उजागर हुई। समाज कल्याण, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग में बड़ी गड़बड़ियां पाई गई। नगर निगमों में भी करोड़ों का गड़बड़ है।

ये गड़बड़ियां एक साल नहीं बल्कि सालों साल हो रही हैं। सबकुछ जानते हुए भी हमारी सरकारें क्या करती रही हैं? लगता है शासन-प्रशासन को चलाने के लिये अनुशासन से ज्यादा धकेलने वाले कामयाब रहे हैं। वोटों के जोड़ में जीतकर जनप्रतिनधि बनने वाले सत्ता के अंकगणित खेल में उलझे रहते हैं और अपनी ऊर्जा बनाए रखने के लिये यथास्थिति के पक्षधर हो जाते हैं। यह सब कब तक चलता रहेगा? हमेशा पारदर्शिता की बात कही जाती है लेकिन भ्रष्टाचार की लम्बी होती जड़ों को पालने-पोसने वाले बयानबाजी करते रहते हैं। अनियमितताएं हैं तो हैं, क्या हो जाएगा?

फसक

दाज्यू, महिला सशक्तिकरण का जमाना ठैरा

मौसम चाहे कैसा ही हो वाद-विवाद तो होता रहता है बल

दाज्यू, दिल्ली में जी-20 की चकमक देखकर खूब मजा आया। बड़े-बड़े लोगों की बैठक में बड़े मामले उठे हैं। मोदी ज्यू कह रहे हैं- 'यह सम्मेलन मानव केन्द्रित और समावेशी विकास में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।' लेकिन हमारे सत्तू दा को स्टेज में हो रही धिरक्योव की ही धुन लगी हुई है। वह कह रहे हैं इससे उनके इलाके का मान बढ़ गया है।

खटीमा पुलिस ने दस लीटर शराब के साथ गुरमीत को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी सूचना मिलते ही छोटेलाल बहुत उदास है। हमने बहुत समझाया कि गाँव चल, वहाँ मटकी फोड़ आयोजन किया जा रहा है मक्खन खाएगा। दाज्यू, वह बहुत गुस्से में आ गया और बोला- 'तुम्हे मक्खन की पड़ी है। दीमाग भी तो काम करना चाहिये। सरकार को राजस्व बढ़ाने के लिये और दुकानें खोलनी होगी।'

जमाने में बहुत गदरगोल मचा हुआ है। कह कुछ रहे हैं, कर कुछ रहे हैं, जिधर देखो धमाका होने लगा है। काशीपुर नगर निगम के सामने जेवर सहित पर्स चुराने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दुर्गा कालोनी की पार्वती देवी ज्वैलर्स के वहाँ जेवरों का सटाव-बटाव (बेचने-बदलने) गई थी, उनके पीछे लगी महिलाओं ने पर्स सटका दिया। दाज्यू, हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है। महिला सशक्तिकरण का जमाना ठैरा। रुद्रपुर की स्वीडेल कॉलोनी में नौकरनी ने लाखों के जेवरात चुरा लिये, वह भी पुलिस के पकड़ में आ चुकी है। सल्ट में सात माह पहले दो बच्चों के साथ लापता महिला को पुलिस ने हरियाणा से बरामद कर परिजनों को सौंपा।

चलो छोड़ो चोरी-चकारी की बातों को। उपचुनाव की फसक करते हैं। बागेश्वर में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में उत्साह था। दाज्यू, दे दबादब बोटिंग हुई। बांकी तो जीतने वाला जाने अब क्या करेगा। महिलाओं ने अपनी ताकत दिखा दी है। मतदान के दौरान झगड़ा भी हुआ था। नेता और चकन्दर नेताओं के बीच ऐसा होने ही वाला ठैरा।

दाज्यू, मौसम चाहे कैसा ही हो वाद विवाद तो होता रहता है बल। टनकपुर में टैक्सी यूनियन का विवाद नहीं सुलट रहा है। कभी पदाधिकारी आरोप लगाते हैं, कभी यूनियन अलग हो जाती है, कभी मान जाते हैं, फिर टूट जाते हैं। भगवान जाने किसकी नज़र लगी है टैक्सी यूनियन को। लोहाघाट कालेज में छात्र नेताओं की मांग पर रूसा के कार्यों की जाँच के लिये कमेटी बन चुकी है। दाज्यू, कालेजों में रूसा का काम भी बड़ा काम होता है बल......। किसी का पैसा, कोई कार्यदायी संस्था, कोई ठेकेदार, कहीं का ईट-रोड़ा, कहीं का गारा-पानी, फिर भी हंगामा क्यों होता होगा?

देहरादून में एक युवती ने कुत्ते को जबरदस्ती बीयर पिलाती हुए रील बना डाली। बेजुवान जानवर क्या जाने की शक्तिकरण का मतलब अंट-शंट होने लगा है। हंगामा मचने के बाद पुलिस हरकत में आई बल। दाज्यू, सशक्तिकरण में पता नहीं कौन शक्तिशाली हो जाए। यूपी के मुरादाबाद से नैनीताल घूमने आए नवदम्पत्ति का हनीमून चर्चा में है। किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था बल। ऐसे में पति अपनी नवविवाहिता को छोड़कर चल दिया। किसी तरह पुलिस ने महिला को भेजने का इन्तजाम किया।

घोर कलजुग है। न जाने कब किसके ख्वा्र रात पड़े। नैनीताल जिले के ज्योलीकोट के एक स्कूल प्रबन्धन व छात्र पर संगीन आरोप लग रहे हैं। मामले की जाँच हो रही है। दाज्यू, किच्छा में फर्जी दस्तावेज पर नौकरी करने वाली महिला कर्मचारी पकड़ी गई है। स्वास्थ्य विभाग में परिवार नियोजन काउंसलर पद पर संविदा पर नियुक्त होने के लिये महिला ने शक्तियों का प्रयोग कर फर्जी कागज बनवा लिये थे बल। जिला विधिक सेवा वाले गुड टच और बैड टच के बारे में बता रहे हैं बल।

फरफराट मची है महाराज। जिधर देखो लोक संगीत के घमाघम हुड़की.. ....। अपनी श्वेता माहरा भी बॉलीवुड में जाने वाली है बल। अपने झमझम शो में श्वेता जादू कर देने वाली ठैरी। इसके अलावा अपना लब्बू और नीलू भी खूब स्टेज शो करने लगा है। बबलू कह रहा है- 'पहाड़ का टैलेन्ट बाहर निकल रहा है।' हे भगवान! कृपा बनाए रखना। इस चतुरंगी दुनिया में घमाघम और हकाहाक में कोई फर्क मालूम नहीं हो रहा है। सीएम धामी ज्यू कह रहे हैं- 'हम तय समय से पहले चुनाव के लिये तैयार हैं। लोकसभा चुनाव से पहले यूसीसी लागू कर दिया जायेगा।' दाज्यू, पता नहीं आगे क्या होने वाला है। अपने जमन दा नहा-धोकर तैयार हैं। कह रहे थे- 'लोकसभा चुनाव में खूब रौला होगा।' लोहाघाट कालेज में रूसा की जांच के लिये बच्चे जिद कर रहे हैं। दाज्यू, रूसा परियोजना में डबल-टाक खूब आते हैं बल। बिल्डिंग बनाने, सामान खरीदने का काम होता है। मौसम कोई कोई हो वाद-विवाद......बांकी आप जानने ही वाले हुए। -तुम्हारा भुली झकरुवा

उत्तराखण्ड में......

प्रथम पृष्ठ का शेष

पहाड़ में अनियोजित और मनमाने तरीकों से भवन निर्माण हो रहे हैं। व्यावहारिक निर्माण नियमावली अभाव साफ झलक रहा है। उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय वर्ष 2018 में देहरादून और मसूरी के लिए प्रस्तावित मास्टर प्लान को रद्द कर चुका है। इस मास्टर प्लान की अधिसूचना 2008 और 2013 में जारी की गई थी। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि नया मास्टर प्लान तैयार करते समय दून में चाय बागान के तहत निर्धारित जमीन का किसी अन्य उपयोग में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। मास्टर प्लान तैयार करने के लिए चीफ टाउन प्लानर उत्तराखण्ड ने आवास विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। मास्टर प्लान तैयार होने के बाद उन्हें जन सुनवाई के लिए रखा जाएगा। इसके बाद डीडीए बोर्ड मंजूरी देगा। इसके लिए 18 महीने का लक्ष्य रखा गया है।

आरईपीएल संस्था इससे पहले स्मार्ट सिटी, ऑनलाइन नक्शा प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल आपूर्ति प्रणाली जैसी योजनाओं पर काम कर रही है। 63 नगरों में भी लागू होना है मास्टर प्लानअल्मोड़ा, रानीखेत, भतरौंजखान, भिकियासैंण, द्वाराहाट, कपकोट, धारचूला, डीडीहाट, पिथौरागढ़, बेरीनाग, गंगोलीहाट, टनकपुर, बनबसा, मंगलौर, भगवानपुर, झबरेड़ा, लंढौरा, रामनगर, कालाढूंगी, लालकुआं, बाजपुर, गदरपुर, किच्छा, खटीमा, जसपुर, सितारगंज, दिनेशपुर, गुलरभोज, केलाखेड़ा, महुआडाबरा, नानकमत्ता, शक्तिगढ़, सुल्तानपुर पट्टी, कोटद्वार, दुगड्डा, श्रीनगर, सतपुली, चमोली, जोशीमठ, पीपलकोटी, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग, पोखरी, थराली, रुद्रप्रयाग, अगस्त्यमुनि, तलवाड़ी, ऊखीमठ, टिहरी, नरेन्द्र नगर, चंबा, देवप्रयाग, चमियाला, गजा, कीर्तिनगर, घनसाली, लंबगाँव, बड़कोट, चिन्यालीसौंड़, गंगोत्री, पुरोला, उत्तरकाशी, नौगाँव सरकार यह मानने को तैयार नहीं है कि दैवीय आपदा के लिए अनियोजित या अनियंत्रि विकास जिम्मेदार है। आपदा को देखते हुए उससे बचाव और जान-माल का नुकसान कम करने को नीति नियोजन का हिस्सा बनाया गया है।

राज्य का तकरीबन पूरा भू-भाग भूकम्पीय जोन में होने की वजह सरकारी और गैर सरकारी भवनों को आपदारोधी बनाना अनिवार्य किया जा चुका है। प्रदेश में अनियोजित विकास बहस का मुद्दा बनता रहा है। पर्यावरणविद इस मुद्दे को शिद्दत से उठाते रहे हैं। लम्बे अरसे से यह मांग की जा रही है कि अनियोजित विकास को रोकने के लिए नीति तय की जानी चाहिए। इससे आपदाओं को भी नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। खासतौर पर भूस्खलन जैसी घटनाओं को इस तरह से रोका जा सकेगा। सरकार आपदाओं के लिए अनियोजित विकास को वजह नहीं मानती।सरकार की नीति आपदा के प्रति सम्वेदनशील उत्तराखंड में नुकसान को कम करने की है। इसे ध्यान में रखकर ही आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग के अन्तर्गत आपदा प्रबन्धन और न्यूनीकरण केन्द्र स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव का कहना है कि आपदा से बचाव के लिए तंत्र को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भूकम्प के प्रति अति सम्वेदनशील जोन-चार और जोन-पाँच में है। भूकम्प से जान-माल की बड़े पैमाने पर क्षति के अन्देशे को देखते हुए प्रदेश में सरकारी और निजी भवनों में भूकम्परोधी बनाने का आदेश लागू है। विभिन्न विकास प्राधिकरणों के माध्यम से इसे अमल में लाया जा रहा है। सड़कें बनाने के लिए अब ब्लास्टिंग नहीं होती। चट्टानों की कटिंग की जा रही है। लेकिन पिछले दशक में आई आपदाओं और आसन्न भविष्य के आपदा जोखिम को याद करने से पता चलता है कि अनियोजित विकास के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान की तुलना में अल्पकालिक आर्थिक लाभ कम हैं। मजबूत पर्यावरण नीतियों के समर्थन से पर्यावरण और भूमि उपयोग योजना आगे बढ़ने का एक सम्भावित तरीका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जानकारी

कई औषधीय गुणों का भण्डार है घिंघारू

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के पर्वतीय अंचल के पारम्परिक खानपान में जितनी विविधता एवं विशिष्टता है, उतनी ही यहाँ के फल-फूलों में भी। खासकर जंगली फलों का तो यहाँ समृद्ध संसार है। यह फल कभी मुसाफिरों और चरवाहों की क्षुधा शान्त किया करते थे, लेकिन धीरे-धीरे लोगों को इनका महत्व समझ में आया तो लोक जीवन का हिस्सा बन गए।

औषधीय गुणों से भरपूर जंगली फलों का लाजवाब जायका हर किसी को इनका दीवाना बना देता है। घिंघारू नाम वानस्पतिक नाम पाइरेकैन्था क्रेनुलेटा है पादप कुल रोजेसी कुल से सम्बन्धित है। हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में समुद्रतल से 3000 से 6500 फीट की ऊँचाई पर उगने वाले फल घिंघारू जिसे (हिमालयन-फायर-थोर्न) व व्हाइट-थोर्न के नाम से भी जाना जाता है इसके छोटे-छोटे फल बड़े ही स्वादिष्ट होते हैं, जिसे सुन्दर झाड़ियों में लगे हुए देख सकते हैं। यह एक ओरनामेंटल झाड़ीदार लेकिन बड़ी उपयोगी वनस्पति है। पारम्परिक रूप से घिंघारू का फल पौष्टिक एवं औषधीय गुणो से भरपूर होता है तथा कई बिमारियों के निवारण जैसे-हृदय सम्बन्धी विकार, हाइपर टेन्शन, मधुमेह, रक्तचाप तथा इसकी पत्तियां एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी इन्फलामेट्री गुणों से भरपूर होती है जिसके कारण हर्बल चाय के रूप में भी बहुतायत प्रयुक्त होती है। घिंघारू के छोटे-छोटे फल गुच्छों में लगे होते। हालांकि अगस्त या सितम्बर में पकने पर नारंगी या फिर गहरे लाल रंग के हो जाते हैं। ये फल हल्के खट्टे, कसैले और स्वाद में मीठे होते हैं। घिंघारू में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होती है। इसका पौधा मध्यम आकार का होता है और इसकी शाखाएं कांटेदार तथा पत्ते गहरे रंग के होते हैं। यह पौधा 500 से 2700 मीटर की ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। एंटी आक्सीडेंट, न्यूट्रास्यूटिकल, खनिज लवण, विटामिन, प्री-बायोटीक्स, प्रो-बायोटिक्स महत्वपूर्ण गुणों से भरपूर होता है। घिंघारू के फल में विद्यमान Flavonoids तथा Glycosides की वजह से बेहतरीन anti-inflamatory गुण पाये जाते हैं।

इसके फलों को सुखाकर चूर्ण बनाकर दही के साथ खूनी दस्त के उपचार उपयोग किया जाता है। फलों में पर्याप्त मात्रा में शर्करा पायी जाती है जो शरीर को तत्काल ऊर्जा प्रदान करती है। इसके फलों से निकाले गए जूस में रक्तवर्धक प्रभाव पाया जाता है, जिसका लाभ उच्च हिमालयी क्षेत्रों में काफी आवश्यक समझा गया है। इन्ही औषधीय गुणों के कारण 'रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान पिथौरागढ़' द्वारा घिंघारू के फूल के रस से 'हृदय अमृत' नामक औषधीय तैयार की गयी है। जिसका शाब्दिक अर्थ ही इसकी महत्व को जाहिर करता है कि यह हृदय के लिये अमृत के समान है। घिंघारू की पत्तियों को गिगों के साथ सेवन किया जाय तो यह दिमाग में रक्त प्रवाह को सुचारू कर स्मरण शक्ति को बढाने में सहायक होता है।

ओर्नामेंटल पौधे के रूप में साज-सज्जा के लिए बोनसाई के रूप में प्रयोग करने का प्रचलन रहा है। इस कुल की अधिकाँश वनस्पतियों के बीजों एवं पत्तों में एक जहरीला द्रव्य हाईड्रोजन सायनायड पाया जाता है जिस कारण इनका स्वाद कडुआ होता है एवं एक विशेष प्रकार की खुशबू पायी जाती है। अल्प मात्रा में पाए जाने के कारण यह हानि रहित होता है तथा श्वास प्रश्वास की क्रिया को उद्दीपित करने के साथ ही पाचन क्रिया को भी ठीक करता हैं। घिंघारू के बीजों एवं पत्तियों में पाए जाने वाले जहरीले रसायन हायड्रोजन सायनायड के कैंसररोधी प्रभाव भी देखे गए हैं। घिंघारू इतने सारे औषधीय गुणों से भरपूर होने के बावजूद भी है अधिकांश लोग अपरचित हैं। जानकारी के अभाव में स्थानीय लोग इसका समुचित लाभ नहीं उठा पाते हैं। यदा कदा इसके फलों को लोग यूं ही स्वाद के लिए खा लेते हैं, परन्तु अधिकांश फल या तो पक्षी खाते हैं या फिर सूख कर जमीन पर गिर जाते हैं। जमीन पर गिरे फल और पत्तियां सड़कर मिट्टी की उर्वरक शक्ति को बढ़ाने में सहायक साबित होते हैं। इसकी पत्तियों से निर्मित पदार्थ स्किन को जलने से बचाता है। इसे 'एंटी सनबर्न' भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां कई एंटी ऑक्सीडेंट सौंदर्य प्रसाधन व कॉस्मेटिक्स बनाने के उपयोग में भी लाई जाती हैं। छोटी झाड़ी होने के बावजूद घिंघारू की लकड़ी की लाठियां और हाकी स्टिक सर्वश्रेष्ठ मानी जाती हैं। इस वनस्पति का प्रयोग दातून के रूप में भी किया जाता है जिससे दांत दर्द में भी लाभ मिलता है। वनों में यदि बड़ी मात्रा में घिघारू के पेड़ लगाये जायें तथा मडुआ, झंगोरा के बीज छिड़के जाएं, तो खाने की तलाश में जंगली जानवर आबादी की ओर नहीं आयेंगे। घिंघारू के फल औषधि गुणों से भरपूर हैं। हृदय रोगियों के लिए इसका फल रामबाण है।

इसके अलावा खूनी पेचिश, मधुमेह में भी लाभदायक है। इसके तने की लकडी की लाठी मजबूत होती है और ख्रषि यंत्र बनाने में भी उपयोगी है। घिंघारू बहुत अच्छा सौयल बाइंडर है जो भूस्खलन को रोकने में मददगार है। आयुर्वेद की सूची में कई ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र है, जिनका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर औषधि बनाने में किया जाता है।

व्यंग

सर-सर-सर, मैम-मैम-मैम

दीवान सिंह कठायत

संचार क्रान्ति के बदले हुए दौर में विभिन्न नामों व पदों के सम्बोधन भी बदल गए हैं। तेजी से भागती दुनिया अब सम्मानजनक सम्बोधन के लिए पुरुष वर्ग को सर तथा महिलाओं को मैम कह पुकारने लगी है। पूर्व में शिक्षकों को मास्साब, गुरु जी, मास्टर जी, मास्टर साहब, शिक्षिकाओं को भैंन जी, बहिन जी कभी-कभी मैडम, क्लर्क टाइप कर्मचारियों को बाबू जी या बाबू साहब तथा अधिकारियों को साहब, साऽऽब, या साब जी का शिष्टाचारी सम्बोधन दिया जाता था जिससे सम्बोधित किये जा रहे व्यक्ति का पद, महत्व, गरिमा व वजन का सहज ही भान हो जाया करता मगर अब सभी के लिए सर-सर-सर या मैम-मैम-मैम का सम्बोधन प्रयुक्त होने लगा है। पता ही नहीं चलता कि सम्बोधित किया जा रहा शख्स प्रथम श्रेणी अधिकारी है या चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी।

वैसे तो संचार की इन त्वरित सुविधाओं ने अब सूचनाओं का आदान प्रदान को सरल व सुगम बना दिया है मगर पहले से कई गुना अधिक सिरदर्दी भी बढ़ा दी है। व्यक्ति बहुत अधिक व्यस्त व तनावग्रस्त भी हो चला है तथा पहचान खो रहा है।

अब मुझे ही देख लीजिए, एक अदद शिक्षक के रूप में समाज की सेवा कर रहा हूँ। पहले लोग मास्साब, गुरु जी या पण्डित जी कह कर मेरी पहचान जता देते थे पर अब वही लोग सर-सर-सर। अन्जान व्यक्ति चकरा जाए आखिर सर किस पद की शोभा बढ़ा रहे। बच्चे भी सर-सर, युवा भी सर-सर, बढ़े-बूढ़े भी सर-सर, अभिभावक भी सर-सर, परिचित भी सर-सर, अपरिचित भी सर-सर, मातहत भी सर-सर और सिरमौर भी सर-सर कह दिन भर ससम्मान सिरदर्द बढ़ाते ही रहते हैं। यहाँ तक कि घर में घरवाली व बच्चे भी सर-सर ही कहने लगे हैं। लगता है संचार के इस युग ने सही अर्थों में अब बातचीज व सम्बोधन में सहज ही साम्यवाद ला दिया है। ओ संचारी दुनिया धन्य तेरी माया, तूने सभी को समान कर दिखाया।

(प्राध्यापक रा.आ.प्रा.वि.उडियारी)

ज्योतिष की बातें - 144

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य कन्या राशि में, चन्द्रमा तुला वृश्चिक व धनु राशि में, मंगल शत्रुराशि कन्या में, बुध मित्रराशि सिंह में, गुरु मित्रराशि मेष में, शुक्र शत्रुराशि कर्क में और शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में गोचर करेगा।

हरितालिका तीज- भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया, उदयव्यापिनी न्यूनतम त्रिमुहूर्त तिथि में हरितालिका व्रत किया जाता है। तदनुसार सोमवार 18 सितम्बर 2023 को हरितालिका पर्व मनाया जाएगा। इस दिन कन्याएँ योग्य पति प्राप्ति हेतु व्रत करती हैं।

श्रीगणेश चतुर्थी- भाद्रपद शुक्लपक्ष की मध्याह्नव्यापिनी चतुर्थी तिथि में श्रीगणेश जयन्ती का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 19 सितम्बर 2023 को श्रीगणेश जी का पूजन अर्चन किया जाएगा। इस दिन रात्रि में चन्द्रदर्शन का निषेध होता है। यदि भूलवश चन्द्रदर्शन हो जाए तो स्यमन्तकमणि कथा का श्रवण करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 35

महंगाई प्राकृतिक अथवा कृत्रिम

आजकल अमीरों के पास इतना धन है कि पूरे देश का प्याज एक अमीर खरीद सकता है और फिर अपनी इच्छानुसार मूल्य पर बेच सकता है। कुछ अमीर तो पूरे देशभर के टमाटर अकेले खरीद सकते हैं और फिर उनकी इच्छा! बेचें या न बेचें। कुछ इतने अमीर हैं कि पूरे देश की दालें खरीद सकते हैं और साल भर तक अपनी गोदामों में रखकर जनता को बिना दाल के रहने को बाध्य कर सकते हैं। कुछ पूंजीपति तो इतनी धनाढ्य हैं कि पूरे देश का गेहूँ आदि सब कुछ खरीद सकते हैं और फिर 500रु. प्रति किलो बेचें अथवा जनता को भूखा मार दें। एक-एक पूंजीपति लाखों करोड़ का मालिक है। यह स्थिति देश की प्रजा के लिए खतरनाक है।

एक समय था जब बाजार में वस्तुओं का मूल्य उनके उत्पादन और मौसम आदि पर निर्भर करता था लेकिन अब वस्तुओं का मूल्य सरकार की नीतियों और पूंजीपतियों के कारनामों पर निर्भर करने लगा है। क्या कोई ऐसी राजनीतिक पार्टी इस समय देश में है जो किसानों द्वारा उत्पन्न किए गए उत्पादों का मूल्य पूंजीपतियों और सरकार के चंगुल से मुक्त करा सके ।

-सरल

जी-20 में उत्तराखण्ड तलाशते लोग

नई दिल्ली। जब भी कोई बड़े आयोजन होते हैं स्वाभाविक है लोग अपने देश, अपने प्रदेश, अपने जिले, अपने गांव से भी उसमें भागीदारी चाहते हैं और तलाशते हैं। ऐसा ही जी-20 शिखर सम्मेलन में हुआ जब उप्रेती सिस्टर्स के नाम से पहचान रखने वाली हुड़ैती (पिथौरागढ़) की ज्योति-नीरजा भी सांस्कृतिक मंच से कुमाउंनी में अपनी प्रस्तुति दी। इन दोनों बहनों के लिये कहना होगा कि नपा-तुला सधा हुआ गाकर अपने बल पर पहचान बना चुकी हैं। मंच पर आने के लिये इन्होंने कभी भी उच्छृंखलता नहीं की है। जी-20 के आयोजन में इनकी प्रस्तुति को सराहा गया और उत्तराखण्ड को तलाशते लोगों को सकून मिला।

धौलादेवी ब्लक की पपगाड़ ग्राम पंचायत की उन्नतशील महिला किसान लीला देवी भी जी-20 सम्मेलन में थीं। कुमाऊँ मण्डल से इस कार्यक्रम में शामिल होने वाली यह एकमात्र महिला काश्तकार हैं। इसके अलावा कृषि विभाग में आत्मा के उप परियोजना निदेशक सौरभ सिंह भी उनके साथ्र सम्मेलन में शामिल हुए। उन्नतशील महिला किसान लीला देवी लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को पोष्टिक अनाजों के उत्पादन के लिए प्रेरित करती रही हैं। इनकी भागीदारी से भी क्षेत्र में खुशी है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले जी-20 के आयोजनों में चित्रकारी, व्यंजन व लोकसंगीत के रूप में अन्य कलाकार दल भी अपने हुनर को दिखा चुके हैं। रामनगर और ऋषिकेश के आयोजन में स्थानीय लोगों को किसी न किसी रूप में अवसर मिला। दिल्ली में आयोजन के लिये भी लोग गये इनमें मुनस्यारी से लक्ष्मण सिंह पांगती लछबु के साथ छोलिया दल ने प्रस्तुति दी। आयोजन में पर्वतीय कला और उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया।

बात इसके शिखर सम्मेलन की करें तो दुनिया के नामी लोग इसमें भागीदारी को आए। अमेरिका के राष्ट्रपति जे. बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, बंग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, अर्जीटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नाडीज, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जार्जीवा सहित फ्रांस, तुर्की, कनाडा, जर्मनी, जापान के मुखिया सम्मेलन में पधारे। पूरे आयोजन की दुनिया समीक्षा कर रही है और भारत जी-20 की सफलता पर इसे आगामी वर्षों में विकसित देश के रूप में देख रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लोकसभा चुनाव के लिए प्रशिक्षण

रुद्रपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने जिला और विधानसभा स्तरीय ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर एडीएम अशोक कुमार जोशी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया समयबद्ध प्रक्रिया है, जिसमें किसी भी स्तर पर गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिये प्रशिक्षण में सिखाई जा रही सभी बारीकियों को आत्मसात करें।

हरिद्वार में खेल गांव विकसित होगा

रानीखेत। सीएम पुष्कर धामी ने भल्ला स्टेडियम परिसर में हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की 941.39 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली 5 योजनाओं का शिलान्यास करते हुए कहा हमारा लक्ष्य विकास है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में खेल गाँव विकसित होगा। प्राधिकरण द्वारा विकसित क्रिकेट स्टेडियम एवं इन्डोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स की तैयारी है।

मेट्रोपोल में बनेगी स्मार्ट पार्किंग

नैनीताल। शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिये मेट्रोपोल में स्मार्ट पार्किंग की कवायद शुरू हो चुकी है। बताया गया है कि 2.67 हेक्टेयर जमीन पर 500 चारपहिया और 200 दोपहिया वाहनों के लिये यह पार्किंग बन रही है। पार्किंग पूरी तरह कैशलेस होगी। कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ऑनलाइन बुकिंग करवा सकता है। पार्किंग के बाहर एंट्री गेट पर एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी।

रिवर्स पलायन पर बनेगी वेब सीरीज

नैनीताल। रामलीला और गदर-2 समेत कई सुपरहिट फिल्मों में कास्ट डायरेक्टर की भूमिका निभा चुके शाहिद अली ने बताया है कि नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्र में पहाड़ की संस्कृति और रिवर्स पलायन को लेकर वेब फिल्म की शूटिंग की जाएगी। इसके लिये आडिशन हो रहे हैं। इस पर वेब सीजीज बनाएंगे।

बकायदारों को नोटिस जारी

हल्द्वानी। राज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए टैक्स जमा नहीं करने वाले व्यापारियों को नोटिस भेजना शुरु कर दिया है। 30 सितम्बर को नोटिस भेजने की अन्तिम तिथि है। इसके बाद नोटिस नहीं भेजे जा सकते हैं इसलिए राज्य कर विभाग पूरी सतर्कता से व्यापारियों का डाटा खंगालने में जुट गया है।

राज्य कर विभाग के अनुसार 2017-18 के लिए व्यापारियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। ये नोटिस उन व्यापारियों को हैं जिन्होंने टैक्स ऑडिट का अधिक क्लेम कर दिया, टैक्स जमा करने से छूट गया और अनुमान से ज्यादा रिफण्ड ले लिया था।

शिक्षकों की तैनाती को लेकर गिनी गांव और बंगापानी में प्रर्दशनी जारी

नाचनी/मदकोट। शिक्षकों की तैनाती को लेकर जगह-जगह आन्दोलन जारी है। विकासखण्ड मुनस्यारी के गिनी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की तैनाती को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। पहले यहाँ एक शिक्षक की तैनाती थी, जिनका स्थानान्तरण हो चुका है। भोजनमाता के सहारे विद्यालय चल रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि शिक्षण कार्य के लिये सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिये।

गोरीखाल क्षेत्र के अधिकांश विद्यालयों में शिक्षकों की कमी से नाराज लोगों ने तहसील मुख्यालय पहुँचकर सांकेतिक धरना दिया। चेतावनी दी है कि दो अक्टूबर तक शिक्षकों की तैनाती न होने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ अनशन किया जायेगा। ब्लाक कांग्रेस व अन्य संगठनों ने गोरीछाल क्षेत्र के सभी राइंका, रा.हाईस्कूल, जूनियर हाईस्कूल ओर प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को देखते हुए शिक्षक दिवस पर एक दिवसीय धरने की चेतावनी दी है। बंगापानी बाजार से जुलूस निकालकर तहसील कार्यालय तक प्रदर्शन किया गया।

कार्बेट में अवैध कटान की सीबीआई

नैनीताल। कार्बेट टाइगर रिजर्व और कालागढ़ वन प्रभाग में करीब 6 हजार पेड़ों के अवैध कटान व अवैध निर्माण से जुड़े मामले में तत्कालीन वन मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत की सहित राज्य के अन्य शीर्ष अफसरों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर हाईकोर्ट ने मामले की सीबीआई जाँच के आदेश दिये हैं। कोर्ट ने अन्य जाँच एजेंसियों से से सीबीआई को जाँच में सहयोग करने के लिये कहा है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खण्डपीठ के सामने सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता देहरादून निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अनु पन्त ने वर्ष 2021 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके अलावा मीडिया समाचारों पर कोर्ट ने भी स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने सरकार से जाँच रिपोर्ट मांगी लेकिन सरकार की ओर से बताया कि राज्य की वीजिलेंस टीम जाँच कर रही है। लिहाजा इस मामले में कुछ करने की जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिजय नेगी मामले की सीबीआई जाँच की मांग की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले की सीबीआई जाँच के आदेश दिये।

रामनगर में अतिक्रमण पर लड़ाई

रामनगर। रोजगार बचाओ संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में आन्दोलन तेज कर दिया है। लखनपुर चुंगी में बैठक करते हुए मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि उनका आन्दोलन अब तब तक जारी रहेगा जब तक कि उन्हें यह आश्वस्त नहीं कर दिया जाता है कि अतिक्रमण के नाम पर उन्हें नहीं हटाया जायेगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सरकार उन्हें उजाड़ने से पहले बसाने पर विचार करे। वर्षो से वह लोग अपना रोजगार कर पेट पाल रहे हैं। इसके लिये सभी मिलजुल कर लड़ाई लड़ते रहेंगे। बैठक में ठेला पड़ एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पाल, नवीन पाण्डे, आनन्द पाण्डेय, नन्दन नेगी, चन्द्रशेखर जोशी, पंकज अग्रवाल, संजय सजवाण, मोबीन खान, भोला दत्त धौला खण्डी, प्रदीप शर्मा, मतलूब खान आदि थे।

गंगोलीहाट में नसीमा बानो पर गुस्सा

गंगोलीहाट। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात चिकित्सक डाक्टर नसीम बानो क्षेत्रवासियों को कांटा क्यों लगने लगी? यह सब एकाएक नहीं हुआ है। दरअसल कई दिनों से उनके व्यवहार और कार्यो से लोग आक्रोशित थे। यह गुस्सा इतना ज्यादा बढ़ गया कि व्यापार मण्डल के आह्वान पर बाजार तक बन्द करना पड़ा।

व्यापार मण्डल अध्यक्ष हरीश धानिक ने धरना-प्रर्दशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तमाम अनियमितताएं सामने आई हैं। जिसकी शिकायत जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी से की गई थी लेकिन जांच के नाम पर डा. नसीमा बानो को प्रभारी चिकित्साधिकारी पद से हटाकर खानापूरी की गई। ऐसे में अनियमितता पर उठे सारे सवालों का क्या हुआ? इन्हीं बातों को लेकर लोगों में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त करने व सेवाभाव वाले कर्मचारियों को तैनात करना चाहिये।

ऋषेश्वर मंदिर लोहाघाट में विवाद

लोहाघाट। नगर के प्रसिद्ध ऋषेश्वर मन्दिर में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मन्दिर में स्वामित्व को लेकर बाबा मोहनानन्द व मन्दिर कमेटी लम्बे समय से उलझी हुई है। हाल यह है कि किसी विशेष पूजा, कथा इत्यादि के अवसर पर भी कब कौन सा पक्ष भड़क उठे कहना कठिन है। अब ताजा मामले में बाबा व उनके शिष्य के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। आरोप है कि इन्होंने मन्दिर की धर्मशाला में लगे शिलापट को तोड़ दिया है। दूसरी ओर बाबा कहा कहना है कि मन्दिर परिसर में विभागीय या किसी निधि का एक ढेला नहीं लगा है। जिस धर्मशाला में विधायक निधि का शिलापट लगाने की बात कही जा रही है उसका निर्माण मार्च 2021 में भक्तों के चन्दे से किया गया है।

इस प्रकार किसी न किसी बात पर दो पक्षों के झगड़े से ऋषेश्वर मन्दिर बेहद चर्चा में है।

अंतर्राष्ट्रीय एंगलिंग मीट की तैयारियां

टनकपुर। भारत-नेपाल सीमा के चूका क्षेत्र में बहने वाली महाकाली नदी में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एंगलिंग मीट (मत्स्य आखेट प्रतियोगिता) के आयोजन की तैयारियां हो चुकी हैं। पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशन में आगामी 27 सितम्बर से शुरु होने वाली तीन दिवसीय प्रतियोगिता में देश-विदेश के मत्स्य आखेटकों को आमंत्रित किया गया है। विकास की दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र चूका में पर्यटन विभाग पहली बार इस प्रकार का आयोजन करने जा रहा है। इससे पूर्व तक लोहाघाट से लगे पंचेश्वर में स्थित सरयू और महाकाली नदी में कई बार त्स्य आखेट प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है। जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़ ने बताया कि विभाग की ओर से प्रतियोगिता की तैयारी हो चुकी है। इसके लिये देश-विदेश के 24 एंगलर ऑनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं। इस प्रतियोगिता में मछलियों का शिकार नहीं किया जाता है बल्कि उन्हें पकड़कर उनकी लम्बाई और वजन लिया जाता है। अध्ययन कर उन्हें वापस जल में छोड़ दिया जाता है।

डीएम ने किया दारमा घाटी का भ्रमण

पिथौरागढ़। पर्यटन गतिविधियों को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। इसके लिये हरसम्भव प्रयास किया जाएगा। दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित पर्यटक केन्द्रों को विकसित किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक संख्या में सैलन आ सकें। यह बात जिलाधिकारी ने दारमा घाटभ के भ्रमण के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि दारमा घाटी में बसे दुग्तू और दातू आदि अन्य ग्रामों में के जो लोग होमस्टे से जुड़े हैं उनको प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मिलिट्री साइंस की पढ़ाई होगी

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डी.एस.रावत की पहल पर विवि में मिलिट्री साइंस की पढ़ाई शुरु किये जाने की कवायद की जा रही है। इसके लिये विवि प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। बताते चलें कि मिलिट्री साइंस बहुत कम जगज कालेजों में पढ़ाई जा रही है। एसएसजे विवि बनने के बाद यह बहुत जरूरी था।

परिक्रमा

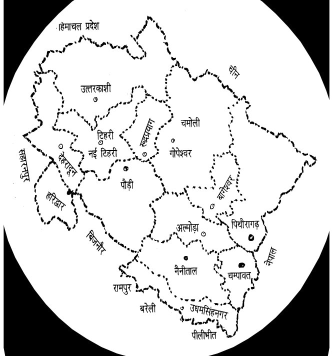

लोहाघाट विस में बनेंगे तीन नए पुल

लोहाघाट। विधानसभा क्षेत्र में राज्य योजना अन्तर्गत तीन पुलों की स्वीकृति हुई है। विधायक खुशहाल सिंह अधिकारी ने लोगों की समस्या को शासन में रखा था। पुलों की स्वीकृति पर कांग्रेसी नेताओं और जनता ने विधायक का आभार प्रकट किया है।

मार्ग बंद करने पर चौबटिया में गुस्सा

रानीखेत। चौबटिया नागपानी देहोली मोटर मार्ग पर कुछ दिन आवाजाही सामान्य रहने के बाद सेना द्वारा एक बार फिर ग्रामीणों के लिये बन्द कर दिये जाने पर क्षेत्रवासियों में गुस्सा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ दिन राहत के बाद सेना ने दोबारा से उन्हें रोका है, जिससे आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाराज लोगों की शिकायत पर संयुक्त मजिस्ट्रेट से चेक पोस्ट के लिए प्रभारी तहसीलदार को मौके पर भेजा और व्यवस्था बनाने की बात कही।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रेरा पर रार, कुछ करो सरकार

हल्द्वानी में हल और कुदाल लिए किसानों का प्रदर्शन

हल्द्वानी। 'रेरा' पर रार बरकरार है और इसका प्रदर्शन स्थल हल्द्वानी बन चुका है। युवा किसान संघर्ष समिति के आह्वान पर सैकड़ों किसानों ने जबर्दस्त प्रदर्शन कर सरकार से इस मुद्दे पर विचारने को कहा है। किसान आन्दोलन को विपक्ष का पूरा साथ मिल रहा है। ऐसे में सत्ता पक्ष की ओर से भी नेतागण उलझन में हैं।

रेरा कानून को किसान विरोधी बताते हुए प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह एक्ट कॉलोनाइजर्स डेवलपर्स पर लागू होना चाहिये लेकिन प्रशासन जबरन किसानों पर थोप रहा है। यदि किसान अपनी पुत्री का विवाह, पुत्र की पढ़ाई या किसी के बीमारी पर अपनी जमीन का टुकड़ा बेचे तो उस पर 30 फीट सड़क 35 फीट ग्रीन एरिया, सीवर लाइन जैसे अव्यवहारिक प्रावधान जबरन थोप दिए जा रहे हैं। प्रशासन भूल गया है कि जमीन बेचने वाला कोई बिल्डर नहीं मामूली किसान है। बिल्डर, डेवलपर्स बेखौफ होकर मानकों को ताक में रख गतिविधियां कर रहे हैं और शासन-प्रशासन किसानों पर धौंस दिखा रहा है। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं। शहर में हुए इस बड़े प्रदर्शन से यह तो साफ हो चुका है कि यह आन्दोलन किसी परिणाम तक पहुंचेगा।

आन्दोलन की हवा को आंधी बनाने के लिये बिभिन्न संगठनों के अलावा राजनीति दल जुट चुके हैं। किसान आन्दोलन से ही पहचान बनाने वाले कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत व अन्य के लिये भी किसानों का गुस्सा चुनौती बनता जा रहा है। यही कारण है सरकार से जुड़े लोग आन्दोलन की धार को समझते हुए रास्ता निकालने की जुगत में हैं।

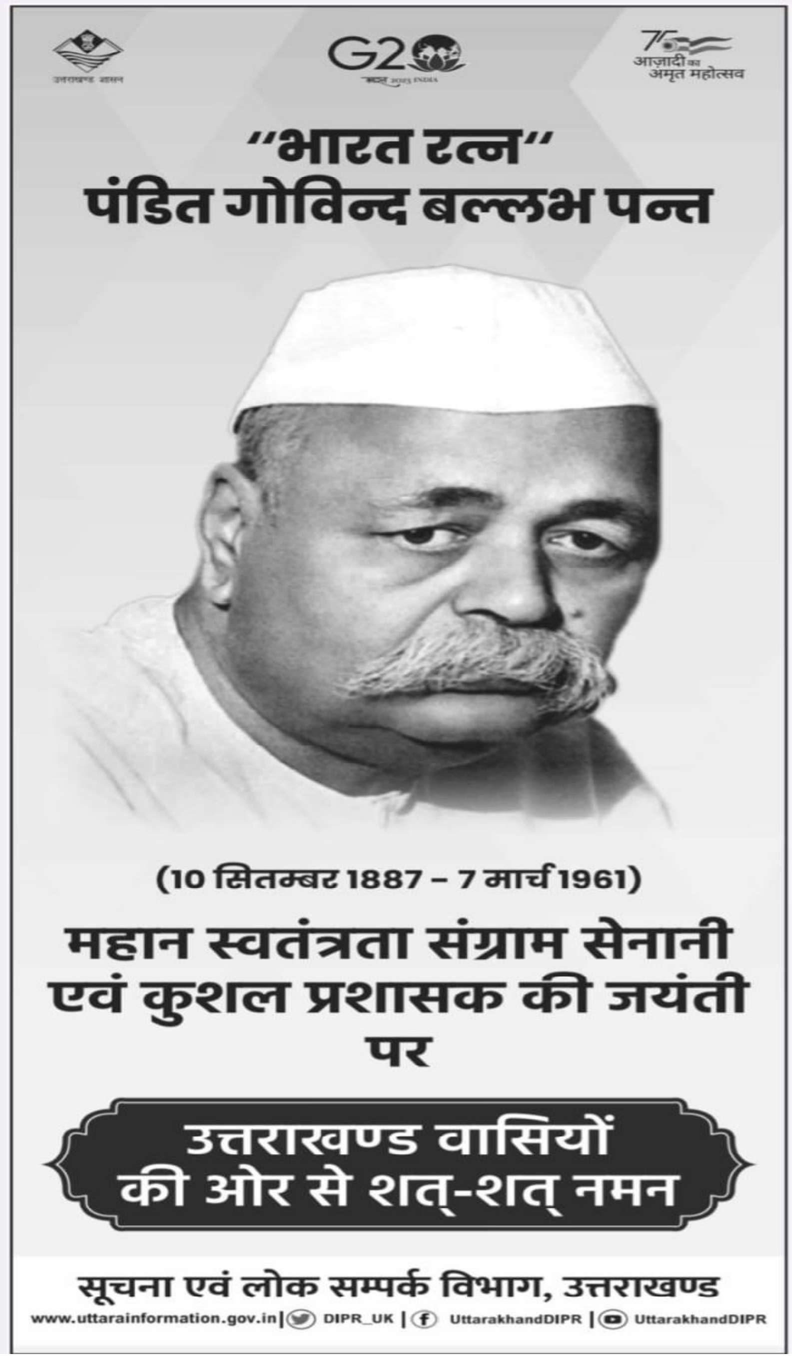

वरिष्ठ चिकित्सक नन्दन सिंह डसीला द्वारा मेधावियों का सम्मान किया गया

डीडीहाट। जीएमसी लखनऊ के सीनियर यूरोलोजिस्ट डॉक्टर नन्दन सिंह डसीला द्वारा विगत वर्षों की भाँति ही विकासखण्ड डीडीहाट तथा कनालीछीना में वर्ष 2023 परिषदीय हाईस्कूल परीक्षा के 52 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। राजकीय इण्टर कालेज डीडीहाट के सभागार में यह आयोजन दोनों विकासखण्डों से आये मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ कैरियर काउंसलिंग के साथ आरम्भ हुआ, जिसमें डॉक्टर डसीला ने बच्चों के बीच बैठकर उनके लक्ष्य पर बातें की और भविष्य में उस क्षेत्र में उनकी सहायता करने हेतु भी अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डीडीहाट निवासी डॉ. नन्दन सिंह डसीला ऐसे ही लोगों में से एक हैं, जिन्होंने अपने सीमान्त क्षेत्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को संवारने की बीड़ा उठाया है। स्थानीय गाँव काण्डे-बरला निवासी डॉ. डसीला की शिक्षा-दीक्षा डीडीहाट व नारायण नगर विद्यालयों में सम्पन्न हुई। वर्ष 1978 में एमबीबीएस करने के बाद वह देश के विभिन्न क्षेत्रों एवम संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी अनवरत सेवाएं देते आ रहे हैं। इस वर्ष भी उनके द्वारा सीमान्त क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान, बौद्धिक सहायता प्रदान कर उन्हें बेहतर करियर हेतु यथोचित सुझाव, संसाधन, प्रोत्साहन दिया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष कमला चुफाल, खण्ड शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई, पूर्व आई. जी. कुन्दन सिंह जंगपांगी, एक्टिविस्ट जगत मर्तोलिया, प्रधानाचार्य प्रेम सिंह पापड़ा, विक्रम सिंह बिष्ट, किशोर साह, डा. इंद्रजीत सामन्त, त्रिभुवन सिंह डसीला, शेखर कफलिया, मनोहर सिंह भड़, धीरज खड़ायत और लोकेश डसीला मौजूद रहे।

बागेश्वर उपचुनाव का गणित कांग्रेस सहित विपक्ष का ताकत दे गया है

पि.हि.प्रतिनिधि

बागेश्वर विधानसभा उपचुनाव में भले ही भाजपा जीत चुकी है लेकिन जिस प्रकार कांटे की टक्कर हुई उसमें विपक्ष आगे की उम्मीद पर उत्साहित दिख रहा है। सत्ता पक्ष की सारी ताकतों के बावजूद भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास दो हजार 405 मतों से जीती। इस चुनाव में पार्वती देवी को 33247, कांग्रेस के बसन्त कुमार को 30842, यूकेडी के अर्जुन देव को 857, उपपा के भगवत कोहली को 268, सपा के भगवती प्रसाद त्रिकोटी को 637 एवं नोटा पर 1257 मत पड़े।

इस चुनाव में मामूली अन्तर की जीत कई सवाल छोड़ चुका है। पिछले चुनाव में चन्दन राम दास ने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस के रंजीत दास को लगभग 13 हजार मतों से अधिक से पराजित किया था, जो इस बार मात्र 2405 तक सीमित रह गई। फिलहाल भाजपा के नेता इसे बड़ी जीत बताकर डबल इंजन की योजनाओं पर मुहर की बात कर रहे हैं। सीएम पुष्कर धामी ने कहा है कि यह जीत विकास कार्यों के लिये है। स्व. चन्दन राम के सपनों को पूरा करेंगे। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट इस जीत ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन किया है। विधायक बनी पार्वती देवी ने पार्टी नेताओं और मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि आप सबकी मेहनत से यह जीत हुई है। जीत पर पार्टी के बयानबाज नेताओं ने खूब बयान दिये हैं। जगह-जगह जीत की खुशी मनाई गई। दूसरी ओर कांग्रेस ने इसे छल-कपट के साथ जीत बताया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवत डसीला ने कहा कि भाजपा ने पूरा चुनाव छल कपट से जीता है। कहा इस चुनाव में प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने सरकारी धन से जनपद की समी में प्रवेश किया तथा जनता के बीच झूठे वायदे किये। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि वह कतई हताश नहीं हैं, जिस ताकत के साथ चुनाव लड़ा गया वह काफी है। लोकसभा चुनाव इसकी ताकत से लड़ा जायेगा। जनता ने सत्ता का कपट रूप देख लिया है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि धनबल और लोभ-लालच के खेल में भाजपा पास हुई है। यह सब ज्यादा चलने वाला नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सत्ता के मद में चूर लोग पहाड़ को खोखला कर रहे हैं।

पक्ष-विपक्ष के बयानों और गर्माहट को किनारे कर आंकलन किया जाए तो यह साफ दिखाई दे रहा है कि मोदी का जादू ही है कि भाजपा उत्तराखण्ड में चल रही है अन्यथा विपक्ष खासकर कांग्रेस ताकत बटोर चुका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नन्दाष्टमी की शुभकामनाओं के साथ-

प्रेम सिंह जंगपांगी
सुरभि कालोनी
हल्द्वानी

उमेश चन्द्र भट्ट
अध्यक्ष महाकाली टैक्सी यूनियन
गंगोलीहाट

अक्टूबर से शुरु होगी कैलास यात्रा

तवाघाट-लिपुलेख सड़क अवरोध से रोक थी

नैनीताल/पिथौरागढ़। बन्द पड़ी आदि कैलास यात्रा अक्टूबर में शुरु हो जायेगी। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम यात्रा को शुरु करने की तैयारी कर रहा है। मानसून में तवाघाट-लिपुलेख सड़क बन्द होने के कारण निगम आवेदन कर चुके यात्रियों को यात्रा नहीं करवा पाया था। इस समय केवल प्राइवेट टूर ऑपरेटर दल यात्रा के लिये आ रहे हैं। इस वर्ष चार मई से शुरु हुई यात्रा के दौरान केएमबीएन ने 223 पर्यटकों को आदि कैलास, ओम पर्वत, पार्वती सरोवर और कालापानी के दर्शन कराए थे। प्राइवेट टूर ऑपरेटर करीब दो हजार यात्रियों को यात्रा करवा चुके हैं।

बताते चलें कि निगम चार मई से आदि कैलास यात्रा शुरु करता है। इस बार अतिवृष्टि से यात्रा मार्ग बार-बार बन्द होने के कारण अगस्त में यात्रा को बन्द करना पड़ा था। अब जगह-जगह खराब हुए यात्रा मार्ग को ठीक करने का कार्य जारी है। निगम के महाप्रबन्धक ए. पी. बाजपेयी के अनुसार सितम्बर के अन्तिम सप्ताह तक सड़क ठीक होने की उम्मीद है। ऐसे में यात्रा शुरु होगी।

सरकार! माइग्रेशन परिवार के लोग........

प्रथम पृष्ठ का शेष

होने के कारण गोरी नदी में बह जाती हैं। जिसका मुआवजा भी नहीं मिलता है। यह अत्यन्त विकट समस्या प्रतिवर्ष माइग्रेशन परिवार वालों के साथ के अलावा सीमा प्रहरियों के जवानों, पर्यटकों, बीआरओ के साथ भी दुर्घटनाओं की समस्यायें आती हैं।

बताया है कि वर्तमान समय में विषेष रूप से रिलकोट गाँव के पास पुल का निर्माण न होने से बोगडियार में स्थाई पुल का निर्माण न होने से आवागमन में परेशानी हो रही है। नदी बा बहान भी अत्यधिक है। नन्दादेवी मेले के इस समय में श्रद्धालु भी नन्दा माई मन्दिर व अपने पैतृक घरों को जाते हैं। पैदल सड़क के साथ ही मोटर सड़क चिलमधार (धापा) से जिमीघाट वैली पुल तक सड़क अवरुद्ध है एवं जिमीघाट बैली ब्रिज भी गाड़ियों के आवागमन करने हेतु बीआरओ 83 आसीसी अस्कोट डिवीजन वालों ने बन्द कर रखा है। पुल की मरम्मत का कार्य, साथ सड़क न खोलने से माइग्रेशन गाँवों में खाद्यान्न सामग्री के अतिरिक्त अन्य जरूरी वस्तुओं की कमी के कारण माइग्रेशन के 14 गाँवों के परिवार वालों को कठिन समस्या का सामना करना पड़ रहा है। रड़गाड़ी झूला पुल से लेकर श्याम्बु उडियार, बोगडियार तक पैदल सड़क की भी दयनीय स्थिति बनी हुई है, जिसे अति शीघ्र आम जनता, भेड़-बकरियों, लद्दू जानवरों, घोड़े-खच्चरों के आवा गमन हेतु खोलने की आवश्यकता है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा, जान माल की क्षति न होने पाये।

मल्ला जोहार समिति ने सीएम का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा है कि सीमान्त क्षेत्र की समस्याओं से शासन प्रशान को अवगत कराया जाता रहा है परन्तु जिस गति से समस्याओं का निराकरण होना चाहिये नहीं होता है और अनदेखी की जा रही है। ऐसे में दूरस्थ क्षेत्र के लोग निराश एवं अपनी अनदेखी से दु:खी हैं। ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, कुन्दन सिंह धर्मशक्तू, लोकबहादुर जंगपांगी, गणेश सिंह, गोकर्ण सिंह मर्तोलिया आदि थे।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)